आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :332 पृष्ठ -4 दिनांक 05 दिसम्बर 2024 दिन गुरूवार

योगी आदित्यनाथ के मंत्री अलग-अलग राज्यों में बाटेंगे महाकुंभ का न्यौता

5 दिसंबर से 30 दिसंबर तक चलेगा कार्यक्रम

उत्तरप्रदेश (प्रयागराज)संगम नगरी प्रयागराज में 13 जनवरी से शुरू हो रहे आस्था के महापर्व में महाकुंभ 2025को लेकर योगी सरकार की तैयारी देश के हर गाँव से श्रद्धालुओं को इसमें हिस्सेदारी करवाने की है. योगी के मंत्री राज्यों में जाकर वहाँ के ब्ड राज्यपाल से मिलकर उनको आमंत्रित कर उनके जरिये वहाँ की जनता को आमंत्रित करेंगे. इसके लिये मंत्रियों के कार्यक्रम तय कर दिये गये हैं. 5 दिसम्बर से 30 दिसंबर की बीच अलग अलग राज्यों में जाने का कार्यक्रम बनाया गया है.ब्ड कार्यालय ने राज्यों के हिसाब सेव मंत्रियों के दौरे का प्रस्ताव तैयार कर उन्हें जानकारी दे दी है. मंत्री आमंत्रण के तौर पर CM का पत्र और गंगाजल भी भेंट करेंगे. मुख्यमंत्री खुद कुछ जगहों पर महाकुंभ से जुड़े रोड शो में हिस्सा लेंगे. केशव प्रसाद मौर्य तेलंगाना में बा. टेंगे न्यौता सूत्रों की मानें तो उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पाँच दिसंबर को तेलंगाना जाएँगे, आंध्र प्रदेश की जिम्मेदारी भी उन्हें ही दी गई है. केशव के साथ प्रयागराज के विधायक सिद्धार्थनाथ सिंह भी रहेंगे. ओमप्रकाश राजभर सिक्किम में न्योता बाँटेंगे. बिहार और वेस्ट बंगाल में सरकार का निमंत्रण मंत्री राकेश सचान और दयाशंकर सिंह बाँटेंगे. मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु को त्रिपुरा की जिम्मेदारी दी गई है गुजरात में IAS अधिकारी रहे और योगी सरकार के अब मंत्री ए०के० शर्मा गुजरात जाएँगे, उनके साथी मंत्री कपिलदेव अग्रवाल होंगे. महाराष्ट्र और राजस्थान ब्रजेश पाठक के हिस्से आया है, महाराष्ट्र में ब्रजेश के साथ सहयोगी संजय निषाद भी होंगे. मध्य प्रदेश सिंच. ाई मंत्री स्वतंत्र देव जाएँगे. उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय झारखंड में

निमंत्रण लेकर जाएँगे. राजस्थान में ब्रजेश पाठक के साथ पूर्व IPS और योगी के मंत्री असीम अरुण जाएँगे.वरिष्ठ मंत्री सूर्य प्रताप शाही के साथ बलदेव औलख हरियाणा और पंजाब जाएँगे. सुरेश खन्ना कर्नाटक और दिल्ली में निमंत्रण देंगे. उत्तराखंड की राज्यपाल रहीं और अब मंत्री बेबी रानी मौर्य उत्तराखंड के लोगों को महाकुंभ के लिए आमंत्रित करेंगी.

रेप मामले में सजा काट रहे पूर्व मंत्री गायत्री प्रजा. पति की तबीयत बिगड़ी

रेप के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. मंगलवार 3 दिसंबर को उन्होंने बीपी और शुगर के साथ चक्कर आने की शिकायत की, जिसके बाद तत्काल उन्हें बलरामपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. गायत्री प्रजापति को बलरामपुर अस्पताल के न्यू प्राइवेट वार्ड के कमरा नंबर 15 में भर्ती कराया गया है. उनका इलाज अस्पताल के सीनियर फिजिशयन विष्णु समेत अन्य डॉक्टरों की टीम की निगरानी में किया जा रहा है. उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है. अस्पताल के डॉक्टरों का कहना है कि उनकी तबीयत पर नजर रखी जा रही है अगर जरूरत हुई तो उन्होंने बड़े अस्पताल भी रेफर किया जा सकता है. प्राइवेट वार्ड देने पर उठे सवाल गायत्री प्रजापति की तबीयत खराब होने के बीच उन्हें प्राइवेट वार्ड दिए जाने के लेकर भी सवाल उठ रहे हैं, कहा जा रहा है कि सजायाफ्ता होने के बाद भी उन्हें अस्पताल में प्राइवेट वार्ड किस आधार पर आवंटित किए दआ है. हालांकि इस पर अस्पताल की ओर से भी बयान सामने आया है. अस्पताल के निदेशक डॉक्टर सुशील प्रकाश ने बताया कि गायत्री प्रजापति पूर्व में यूपी सरकार में मंत्री रहे हैं और सुरक्षा के लिहाज से उन्हें प्राइवेट रूम में दिया गया है. गायत्री प्रजापति ब्लड प्रेशर और शुगर की शिकायत होने के बाद अस्पताल लाया है, जहां पांच विशेषज्ञों की कमेटी भी जांच के लिए बनाई गई है , जो उनकी जांच और इलाज पर नजर रख रही है. निदेशक डॉक्टर सुशील प्रकाश का कहना है कि कमेटी के रिपोर्ट के आधार पर उन्हें उच्च संस्थान में भी रेफर किया जा सकता है. गायत्री प्रजा. पति समाजवादी पार्टी की सरकार में खनन मंत्री रह चुके हैं. उन्हें नाबालिग लड़की से रेप के मामले में उम्रकैद की सजा मिली है, जिसके बाद से वो साढे तीन साल से जेल में बंद है. उन्होंने कई बार जमानत के लिए भी अर्जी दी लेकिन हर बार उनकी अर्जी को खारिज कर दिया गया.

सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुनी 150 लोगों की समस्याएं

उत्तरप्रदेश गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं. उन्होंने समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा कि घबराइए मत, हर शिकायत पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे. हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराया भीजाएगा. सरकार सबकी समस्या दूर करने को संकल्पित है. जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं. गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दि. ग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया. जनता दर्शन में महिलाओं की संख्या अधिक रही. कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे. एक–एक कर और

इत्मीनान से सबकी समस्याएं सुनीं.किसी को घबराने की आवश्यकता नहीं सीएम ने सभी को आश्वस्त किया कि वह स की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराएंगे. किसी को भी घबराने की आवश्यकता नहीं है. प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टि प्रद होना चाहिए. कुछ लोगों द्वारा जमीन कब्जाने की शिकायत पर उन्होंने कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने अफसरों को यह निर्देश भी दिए कि यदि किसी प्रकरण में पीड़ित को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा है तो इसकी भी जांच कर जवाबदेही तय की जाए.इलाज में धन की कमी बाधक नहीं जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे. मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि इलाज में धन की कमी बाधक नहीं होगी. उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन में भेजें. मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से इलाज के लिए पर्याप्त राशि दी जाएगी. इस दौरान उन्होंने अफसरों से कहा कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए, जिससे उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े.

रिमझिम इस्पात समूह की जांच में 500 करोड़ की अघोषित आय का खुलासा

रिमझिम इस्पात समूह में लगातार छठवें दिन भी आयकर की जांच जारी रही। सूत्रों के अनुसार, जांच में समूह की 500 करोड़ रुपये की अघोषित आय का पता चला है। इसी तरह 200–300 करोड़ की बोगस बिक्री मिली है। स्टॉक में 80 करोड़ का अंतर मिला है। बताया जा रहा है कि एक बिल्टी पर तीन–तीन बार उत्पाद मंगाया गया है। छापे में पांच करोड़ के गहने, तीन करोड़ की नकदी पहले ही मिल चुकी है।कंपनी के मालिक योगेश अग्रवाल और उनके दोनों बेटे आ. ईफोन का इस्तेमाल करते हैं। समूह के लोगों की ओर से आईफोन का पासवर्ड नहीं बताने पर आयकर अफसरों ने दिल्ली की क्लाउड कंपनी पर सर्वे किया। वहां से पासवर्ड मिलने के बाद डाटा क्लोनिंग का काम शुरू किया गया है। ऐसे में कई राज और सामने आ सकते हैं। कर चोरी की रकम भी बढ़ सकती है। कानपुर में चार और दिल्ली में एक जगह अभी जांच चल रही है। यह एक–दो दिन और चल सकती है। सूत्रों ने बताया कि बोगस फर्मों के जरिए दो नंबर की कमाई को एक नंबर बनाया जा रहा था। दावा है कि 15 बोगस फर्मों के जरिए 200–300 करोड़ की बोगस बिक्री पकड़ी गई है। जांच के दौरान कंपनी के उत्पादन, बिक्री में बड़े स्तर पर गड़बड़ीमिली।सूत्रों ने बताया कि बोगस फर्मों से जुड़े 20 लोगों का पता चला है। इसमें दिल्ली का एक कारोबारी तो दूसरे व्यक्तियों के बैंक खाते का इस्तेमाल कर रहा था। इसके एवज में एक लाख रुपये महीना भुगतान कर रहा था। इस खाते का उपयोग बोगस खरीद और बिक्री की कमाई को एक नंबर की कमाई बनाने में किया जा रहा था।बता दें कि आयकर विभाग के 250 से ज्यादा अफसरों की अलग–अलग टीमों ने बीते गुरुवार को कंपनी के मालिक योगेश अग्रवाल के कानपुर स्थित आवास, कॉरपोरेट कार्यालय और उन्नाव, हमीरपुर की फैक्टरियों पर छापा मारा था। इसके अलावा कंपनी से जुड़े डीलरों के उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, हैदराबाद, कर्नाटक, हरियाणा, ओडिशा में 50 से ज्यादा प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई थी। अब केवल योगेश अग्रवाल के आवास, नवाबगंज स्थित कारपोरेट कार्यालय, फैक्टरियों और दिल्ली स्थित एक प्रतिष्ठान की जांच चल रही है।हर सवाल का जवाब पता नहीं, याद नहीं, पासवर्ड भी नहीं बतायासूत्रों के मुताबिक आयकर छापे के दौरान अफसरों ने योगेश अग्रवाल से कारोबार, आय, निवेश के स्रोत, बोगस फर्म आदि पर तमाम सवाल पूछे गए। इनमें से सभी के उत्तर में उन्होंने कहा कि उन्हें कुछ पता नहीं या याद नहीं हैं। अफसरों का दावा है कि योगेश अग्रवाल ने आईफोन के पा. सवर्ड नहीं बताए और जांच में सहयोग नहीं किया। इसके चलते दिल्ली स्थित क्लाउड कंपनी पर सर्वे की कार्रवाई की गई। फिर आईफोन का पासवर्ड मिला। आईफोन का पासवर्ड न देने के पीछे आशंका जताई जा रही है कि इसमें अलग–अलग कंपनियों से जुड़े लेनदेन की जानकारी हो सकती

उत्तराखंड में शुष्क मौसम का दौर जारी

उत्तराखंड में पिछले दो महीनों से मौसम शुष्क बना हुआ है. पहाड़ों से लेकर मैदानों तक चटख धूप खिल रही है, जिससे दिन के समय गर्माहट महसूस की जा रही है. वहीं, सुबह–शाम ठंडक का असर बढ़ने लगा है. मौसम विभाग ने अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में बारिश और बर्फबारी की कोई संभावना नहीं जताई है. हालांकि, अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट हो सकती है देहरादून सहित प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में मौसम शुष्क बना हुआ है. मंगलवार को राजधानी देहरादून में सुबह से चटख धूप खिली रही. दोपहर तक आसमान पूरी तरह साफ था, जिससे तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक दर्ज किया गया. मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, फिलहाल पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय न होने से प्रदेशभर में बारिश और बर्फबारी नहीं हो रही है. इसके कारण वातावरण में नमी की कमी बनी हुई है.मैदानी क्षेत्रों में कहीं–कहीं हल्की धुंध और कोहरे का असर देखा गया. हालांकि, कोहरे का प्रभाव अधिक नहीं है. मौसम विभाग के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि अगले एक सप्ताह तक प्रदेश में मौसम इसी तरह शुष्क रहेगा. सुबह–शाम के तापमान में गिरावट आने की संभावना है, लेकिन दिन के समय धूप की वजह से मौसम सामान्य रहेगा.तापमान में देखा जा रहा उतार–चढ़ाव पिछले कुछ दिनों से उत्तराखंड के तापमान में उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है. दे. हरादून में मंगलवार को अधिकतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक है. न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री रहा. वहीं, ऊधमसिंह नगर में न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री और अधिकतम 16.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. पर्वतीय क्षेत्र मुक्तेश्वर में न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री और अधिकतम 19.0 डिग्री रहा. नमी की कमी और बारिश न होने के कारण वातावरण में ठंडक तो बनी है, लेकिन दिन में धूप का असर अधिक है.हालांकि, मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट देखने को मिल सकती है. पिछले दो महीनों से प्रदेश में बारिश और बर्फबारी नहीं हुई है. इससे पहाड़ी और मैदानी इलाकों में तापमान सामान्य से अधिक बना हुआ है. पर्वतीय इलाकों में ठंड महसूस की जा रही है, लेकिन बर्फबारी के अभाव में पर्यटकों को मायूसी का सामना करना पड़ सकता है. मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय न होने से मौसम में बदलाव नहीं हो रहा है. आने वाले दिनों में कोहरे का असर मैदानी इलाकों में थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन यह भी सामान्य रहेगा.

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को संभल जाने से रोक

उत्तरप्रदेश एडिशनल कमिश्नर दिनेश पी ने कहा कि राहुल गांधी को वापस दिल्ली भेज दिया गया है. फिलहाल संभल के हालात नॉर्मल हैं. जब तक संभल के डीएम नहीं कहेंगे तब तक किसी को वहां जाने नहीं दिया जाएगा. वहीं राहुल गांधी के दौरे को देखते हुए गाजियाबाद पुलिस की ओर से सुबह से ही तैयारी की गई थी. गाजीपुर बॉर्डर पर भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था और बैरिकेटिंग की गई थी. गाजियाबाद से राहुल गांधी को लौटायाराहुल गांधी का काफिला जब दिल्ली बॉर्डर तक पहुंचा तो पुलिस ने उन्हें वहीं रोक दिया, जिसके बाद दोनों तरफ घंटे तक रस्साकशी चली. राहुल गांधी ने पुलिस से उन्हें अकेले ले जाने का अनुरोध किया लेकिन इससे इनकार कर दिया. इस दौरान राहुल गांधी गाड़ी से बाहर निकल संविधान की प्रति भी लहराते हुए दिखाई दिए. उन्होंने कहा कि लोकसभा का नेता प्रतिपक्ष होने के नाते ये उनका अधिकार बनता है कि वो संभल जाकर देखें कि वहां क्या हुआ है लेकिन, हमें वहां जाने नहीं दिया जा रहा. राहुल गांधी ने कहा मैंने पुलिस को अकेले जाने का भी प्रस्ताव दिया, मैं अकेले पुलिस की गाड़ी में जाने को तैयार हूं लेकिन फिर भी हमें रोका जा रहा है. ये नया हिन्दुस्तान है जहां पीड़ितों से मिलने नहीं दिया जा रहा है, संविधान को खत्म किया जा रहा है. गाजीपुर से लौटने के बाद वो सीधा संसद की ओर चले गए. बता दें कि राहुल गांधी के संभल दौरे को देखते हुए डीएम राजेंद्र पैंसिया ने इस संबंध में पड़ोसी जिलों को चिट्ठी लिखी थी और राहुल गांधी को बॉर्डर पर ही रोकने के निर्देश जारी किए थे.

बाइक सवार पिता-पुत्र को ट्रक ने रौंदा,मौत अलीगढ़ में गोधा थाना क्षेत्र के पास हुआ हादसा,

उत्तरप्रदेश अलीगढ़ के गोधा थाना क्षेत्र में बाइक सवार पिता पुत्र को अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी।दिल्ली से अलीगढ़ आ रहे थे दोनों   आरोपी ट्रक चालक दोनों को रौंदता हुआ निकल गया और मौके पर ही दोनों पिता पुत्र की मौत हो गई। जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए।

तेलंगाना में आया 5.3 की तीव्रता का भूकंप, आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए झटके

तेलंगाना के मुलुगु जिले में बुधवार सुबह 5.3 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके हैदराबाद और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए। भूकंप सुबह 7रू27 बजे आया, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई। इसकी जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने दी है।किसी के हताहत होने या किसी बड़े नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं, जबकि विशेषज्ञों ने निवासियों को भूकंप के दौरान सतर्क रहने और भीड़भाड़ वाली या असुरक्षित इमारतों से दूर रहने की सलाह दी है।तेलंगाना वेदरमैन नामक एक एक्स यूजर ने कहा, पिछले 20 सालों में पहली बार तेलंगाना में सबसे शक्तिशाली भूकंप आया, जिसका केंद्र मुलुगु में 5.3 तीव्रता का भूकंप था। यूजर ने कहा कि हैदराबाद समेत पूरे तेलंगाना में भूकंप के झटके महसूस किए गए।भारत में चार भू. कंपीय क्षेत्र हैंरू जोन प्प, जोन प्प्प, जोन प्ट और जोन ट. जोन ट में भूकंप का उच्चतम स्तर होता है, जबकि जोन प्प में भूकंप का निम्नतम स्तर होता है। तेलंगाना को जोन प्प में रखा गया है, जो एक कम तीव्रता वाला क्षेत्र है।देश का लगभग 11: हिस्सा जोन में, लगभग 18: हिस्सा जोन प्ट में, लगभग 30: हिस्सा जोन में और शेष हिस्सा जोन प्प में आता है। भारत का कुल लगभग 59: भूभाग (भारत के सभी राज्यों को शामिल करते हुए) अलग–अलग तीव्रता के भूकंपों के लिए प्रवण है।असम के कार्बी आंगलोंग में आया 2.9 तीव्रता का भूकंप 30 नवंबर

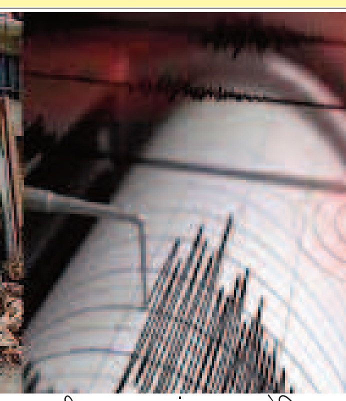

की रात को असम के कार्बी आंगलोंग में 2.9 तीव्रता का भूकंप आया।एनसीएस के अनुसार, भूकंप का झटका सुबह करीब 2:40 बजे दर्ज किया गया और इसका केंद्र कार्बी आंगलोंग क्षेत्र में 25 किलोमीटर की गहराई पर था।जम्मू–कश्मीर में आया 5.8 तीव्रता का भूकंप28 नवंबर को जम्मू–कश्मीर में 5.8 तीव्रता का भूकंप आया, लेकिन किसी तरह के जान–माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।भूकंप शाम 4.19 बजे दर्ज किया गया।अधिकारियों ने बताया कि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान में 36.49 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 71.27 डिग्री पूर्वी देशांतर पर 165 किलोमीटर की गहराई पर था।

दक्षिण कोरिया में बिगड़े हालात! संसद ने मार्शल लॉ को किया खारिज, सड़कों पर उतरे सैनिक

राष्ट्रपति यूं सूक योल ने मंगलवार की रात को मार्शल लॉ की घोषणा कर दी, जिससे दक्षिण कोरियाई लोग स्तब्ध रह गए और सैनिकों की ओर से संसद में घुसने का प्रयास किया गया. सांसदों और प्रदर्शनकारियों ने 1980 के दशक के बाद से देश के लोकतंत्र के लिए सबसे गंभीर चुनौती के खिलाफ विरोध जताया. संसद के अध्यक्ष ने मार्शल लॉ की घोषणा को अमान्य घोषित कर दिया और सांसदों ने इसे अस्वीकार करने के लिए मतदान किया. एक स्थानीय न्यूज पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा है कि जब तक राष्ट्रपति यूं सुक–योल इसे हटाने का आद. श नहीं देते, तब तक वह मार्शल लॉ को बनाए रखेगी. सेना की ओर से मार्शल लॉ जारी रखने के निर्णय ने और बहस छेड़ दी है, विपक्षी नेता ली जे–म्यांग ने इस कदम की अवैधानिक रूप से निंदा की है और दावा किया है कि इस तरह के शासन के तहत आदेशों का पालन करना कानून का उल्लंघन होगा. ली के बयान में इस बात पर जोर दिया गया कि मौजूदा परिस्थितियों में मार्शल लॉ अवैध है. ऐलान के महज ढाई घंटे में ही नेशनल असेंबली के 190 सदस्य ने मार्शल लॉ को हटाए जाने को लेकर वोट किया. साउथ कोरिया में इस आदेश के खिलाफ हजारो की संख्या सड़को पर उतर गई है. इसके बावजूद राष्ट्रपति अपने फैसले पर अड़े हैं. आधी रात को वहां हालात इतने बिगड़ गए कि राष्ट्रपति को सड़को पर टैंक उतारने पड़ गए. ब्रिटेन सरकार ने ब्रिटिश लोगों से दक्षिण कोरिया में प्रदर्शनों से बचने का आग्रह किया है और कहा है कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है. प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के उप प्रवक्ता ने संवाददाताओं से कहा, ष्हम सभी ब्रिटिश नागरिकों को सलाह देंगे कि वे अपडेट के लिए ब्रिटेन की यात्रा सलाह पर नजर रखें और स्थानीय अधिकारियों की सलाह का पालन करें.ष दक्षिण कोरिया के विपक्षी नेता ली जे–म्यांग ने घोषणा की कि राष्ट्रपति यूं सुक–योल और सैन्य कमांडरों द्वारा मार्शल लॉ के संदर्भ में जारी किए गए आदेशों का पालन करने वाला कोई भी व्यक्ति गैरकानूनी तरीके से काम कर रहा होगा. ली ने जोर देकर कहा कि अगर मौजूदा प्रशासन के तहत मार्शल लॉ घोषित किया जाता है, तो इसकी कानूनी वैधता नहीं होगी. ली की टिप्पणी देश में बढ़ते राजनीतिक तनाव के बीच आई है. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि असंवैधानिक निर्देशों का पालन करने से व्यक्ति कानून के गलत पक्ष में आ जाएगा. उन्होंने कहा, ष्ऐसे संदर्भ में लगाया गया मार्शल लॉ अमान्य है. ऐसे आदेशों का पालन करना कानून का उल्लंघन है.ष इस घोषणा से सत्तारूढ़ और विपक्षी गुटों के बीच टकराव और बढ़ गया है, जिसमें विपक्षी गुट ने प्रशासन पर लोकतांत्रिक सिद्धांतों को कमजोर करने का आरोप लगाया है. ली ने सेना और नागरिकों से कानून के शासन को प्राथमिकता देने का आग्रह किया और मौजूदा सरकार द्वारा आपातकालीन शक्तियों के संभावित दुरुपयोग के खिलाफ चेतावनी दी. राजनीतिक माहौल अभी भी तनावपूर्ण बना हुआ है, क्योंकि विपक्षी नेता प्रशासन की कार्रवाइयों और नीतियों को चुनौती दे रहे हैं और उन्हें दक्षिण कोरिया के लोकतांत्रिक ढांचे के लिए खतरा बता रहे हैं. मार्शल लॉ कमांडर पार्क के आदेश में ष्उन कार्यों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है जो उदार लोकतांत्रिक प्रणाली को नकारते हैं या उखाड़ फेंकने का प्रयास करते हैं, जिसमें फर्जी समाचारों का प्रसार, जनमत में हेरफेर और झूठा प्रचार शामिल है.ष मार्शल लॉ कमांडर पार्क के आदेश में ष्उन कार्यों पर भी प्रतिबंध लगाया गया है जो उदार लोकतांत्रिक प्रणाली को नकारते हैं या उखाड़ फेंकने का प्रयास करते हैं, जिसमें फर्जी समाचारों का प्रसार, जनमत में हेरफेर और झूठा प्रचार शामिल है.

पुलिसपरीक्षा में फेल होने पर छात्रा ने फांसीलगाकर दी जान

पुलिस परीक्षा में फेल होने पर 22 वर्षीय छात्रा ने फांसी लगाकर जान दे दी। दो नम्बर से फेल होने पर छात्रा के जान देने की बात कही जा रही है। बुधवार सुबह घटना की जानकारी होने पर परि. जनों में कोहराम मच गया। मामला बिधनू थाना क्षेत्र के मंझावन स्थित सुल्तानपुर गांव का है। छात्रा का शव फंदे से लटका देख परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गयी। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बुंदेलखंड की जैविक अरहर दाल को मिलेगी विश्व में पहचान

बुंदेलखंड क्षेत्र में पैदा होने वाली अरहर की दाल को अब अंतरराष्ट्रीय बाजार में जल्द ही नई पहचान मिलेगी। इसके लिए यहां की दाल को जीआई टैग देने की तैयारी शुरू कर दी गई है। कृषि विभाग के अफसरों की मानें तो अरहर की दाल को जीआई टैग मिलने पर किसानों की आमदनी भी दोगुनी होगी। बुंदेलखंड में चित्रकूटधाम मंडल के चार जिले अरहर की दाल की पैदावार के लिए एक बड़ा हब है। यहां हर साल इसकी खेती का ग्राफ बढ़ रहा है। कोरोना संक्रमण काल के बाद से इस क्षेत्र के किसानों ने अरहर की पैदावार कर अपनी किस्मत चमकाई है। बुंदेलखंड के हमीरपुर जिले में इस बार 19150 हेक्टेयर क्षेत्रफल में किसानों ने अरहर की दाल की बुआई की है। जबकि, महोबा में 4376 हेक्टेयर, बांदा में 24795 हेक्टेयर व चित्रकूट में 20132 हेक्टेयर क्षेत्रफल में अरहर की बोआई की गई है। बुंदेलखंड के इन चार जिलों में ही इस बार 68,453 हेक्टेयर क्षेत्रफल में अरहर की बुआई का किसानों ने रिकॉर्ड बनाया है। उप कृषि निदेशक विजय

कुमार ने बताया कि हमीरपुर, महोबा, बांदा और चित्रकूट जिलों में इस बार अरहर की खेती का रकबा भी पिछले सालों की तुलना में काफी बढ़ा है। बताया कि हमीरपुर में 19143 हेक्टेयर से सात हेक्टेयर अधिक रकबे में बुआई की गई है, जबकि महोबा में आठ हेक्टेयर, बांदा में 3215 हेक्टेयर व चित्रकूट में 897 हेक्टेयर का रकबा अरहर की दाल की पैदावार के लिए बढ़ा है। वर्ष 2021 में 52,888 हेक्टेयर क्षेत्रफल में अरहर की दाल की पैदावार हुई थी।अरहर की दाल को जीआई टैग मिलने पर मिलेंगे अच्छे दामउप कृषि निदेशक विजय कुमार ने बताया कि बुंदेलखंड की अरहर की दाल को जीआई टैग जल्द ही मिलेगा। इसके लिए उच्च स्तर पर कार्यवाही चल रही है। जीपीएस के जरिये बुंदेलखंड की अरहर की दाल की खेती का सर्वे भी कराए जाने की तैयारी है। जीआई टैग मिलने पर बुंदेलखंड की अरहर की दाल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहचान मिलेगी। किसानों को दाल बेचने पर अच्छे दाम मिलेंगे। बुंदेलखंड क्षेत्र के हमीरपुर, महोबा, चित्रकूट और बांदा समेत चारों जिलों में 19 हजार से अधिक किसान अरहर की दाल की पैदावार करते हैं।

एकनाथ शिंदे के मंत्रिमंडल में शामिल होने पर सस्पेंस बरकरार

महाराष्ट्र में महायुति की नई सरकार का गठन गुरुवार 5 दिसंबर को होने जा रहा है. इसके लिए एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने राज्यपाल राधाकृष्णनन के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया. इसके बाद महायुति की प्रेस कांफ्रेंस हुई. पहले देवेंद्र फडणवीस, फिर अजित पवार और फिर एकनाथ शिंदे ने प्रेस से बात की. इस दौरान एकनाथ शिंदे ने देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने पर खुशी जताई और उन्हें बधाई दी. शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र के विकास के लिए फडणवीस के नेतृत्व में मिलकर काम करेंगे. हालांकि, शिवसेना प्रमुख खुद नई सरकार में शामिल होंगे कि नहीं, इस पर अभी तक तस्वीर साफ नहीं हुई है. दरअसल, प्रेस कांफ्रेंस की शुरुआत में देवेंद्र फडणवीस ने एकनाथ शिंदे से अनुरोध किया था कि नई सरकार में शामिल हों, क्योंकि शिवसेना के नेता और महाराष्ट्र की जनता भी यही चाहती है. इसके जवाब में एकनाथ शिंदे ने केवल यह कहा कि अभी वह देवेंद्र फडणवीस के अनुरोध पर विचार करेंगे. शपथ ग्रहण में अभी समय है, कल (गुरुवार, 5 दिसंबर) की शाम तक वह विचार कर अपना फैसला सबके सामने रखेंगे. वहीं, एकनाथ शिंदे ने कहा, ष्मैंने कहा था कि पीएम मोदी और अमित शाह जो भी फैसला लेंगे, उसका समर्थन करूंगा और मैंने ऐसा ही किया है. हम हंसते–खेलते नई सरकार बना रहे हैं. महायुति के लिए यह ऐतिहासिक जीत है. लाडली बहना, लाडले भाइयों और लाडले किसानों, सभी का धन्यवाद कि महायुति को ऐतिहासिक संख्या में वोट देकर विजयी बनाया और हम पर भरोसा जताया.

स्वर्ण मंदिर में सुखबीर बादल ने पूरी की सजा , कल तख्त केशगढ़ साहिब पर देंगे सेवा

पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर सिंह बादल ("नीइपत"पदही ठंकंस) स्वर्ण मंदिर में अपनी धार्मिक सजा पूरी करने के बाद बुधवार को वहां से चले गए. फायरिंग के बाद भी वह गेट पर ही पहरेदारी करते रहे. उसके बाद स्वर्ण मंदिर में कीर्तन सुनने और बर्तन साफ करने की सजा पूरी की. इसके बाद वह वहां से चले गए.सुखबीर बादल गुरुवार को आनंदपुर साहिब में धार्मिक सजा भुगतेंगे. आनंदपुर साहिब के अलावा, तलवंडी साबी स्थित तख्त दमदमा साहिब, मुक्तसर साहिब और फतेहगढ़ साहिब में सजा के अनुसार कार्य करेंगे. आनंदपुर साहिब में तख्त केशगढ़ साहिब पर सुखबीर बादल सजा भुगतेंगे. केशगढ़ साहिब सिख धर्म के पांच तख्तों में से एक है.गले में तख्ती लटकाए दिखे सुखबीर बादलसुखबीर बादल को तनखैया घोषित किए जाने के बाद धार्मिक सजा सुनाई गई थी. इसके तहत वह बुधवार को स्वर्ण मंदिर के बाहर पहरेदारी करते दिखे. उनके पैर में पिछले दिनों चोट लग गई थी इसलिए वह व्हीलचेयर पर बैठकर पहरेदारी करते हुए दिखे. नीले रंग की पोशाक पहने और हाथ में डंडा लिए वह पहरेदारी कर रहे थे. गले में तख्ती लटकाए नजर आए जिसपर लिखा था कि वह तनखैया घोषित किए गए हैं. साथ ही उनकी

गलती भी तख्ते में दर्ज थी. एक घंटे तक कीर्तन भी सुना. सेवा के दौरान चली गोलीइसी दौरान एक व्यक्ति ने उनपर पिस्तौल तान दी. हालांकि कुछ सेवादारों ने उस व्यक्ति को वहां से खींचकर अपने नियंत्रण में ले लिया. इस दौरान गोली भी चली लेकिन सुखबीर बादल बाल–बाल बच गए. आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. वर्ष 2007 से 2017 के बीच पंजाब सरकार की कैबिनेट में रहे मंत्रियों को भी सजा सुनाई गई है. गुरमीत राम रहीम सिंह को माफी देने का मामला है. सुखबीर बादल के पिता प्रकाश सिंह बादल की सरकार में यह माफी दी गई थी.

ब्रिटिश सांसद बोले–बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया करने की कोशिश की जा रही

ब्रिटेन के सांसदों ने को बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमलों और धार्मिक नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर गंभीर चिंता जताई. कंजरवेटिव पार्टी के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने इस हिंसा को हिंदू समुदाय के खिलाफ जातीय सफाई की कोशिश करार दिया. उनका कहना था कि शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ अत्याचार बढ़ गए हैं.हाउस ऑफ कॉमन्स में एक बहस के दौरान ब्लैकमैन ने कहा, ष्इस समय बांग्लादेश में हिंदू समुदाय अपनी जलती हुई मक. ानों, लुटे हुए व्यापारों और गिरफ्तार धार्मिक नेताओं को लेकर जूझ रहा है. हाल ही में दो पुजारियों को गिरफ्तार किया गया और 63 संतों को बांग्लादेश में प्रवेश करने से रोक दिया गया.ष्उन्होंने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए यह भी कहा कि ये हिंदू समुदाय के खिलाफ जातीय सफाई की एक साजिश हो सकती है.ब्रिटिश सरकार से सख्त कार. ्वाई की अपील ब्लैकमैन ने ब्रिटिश विद. ेश मंत्री कैथरीन वेस्ट से आग्रह किया कि वह बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों पर हो रहे जानबूझकर उत्पीड़न की कड़ी निंदा करें. वेस्ट ने बा. ंग्लादेश में इस मुद्दे को अपनी प्राथमि. कताओं में शामिल करने की बात की और कहा कि वे भारत के साथ इस मामले पर चर्चा करेंगी. इसके साथ ही भारतीय मूल की ब्रिटिश सांसद प्रीति पटेल ने भी बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ बढ़ते हमलों पर चिंता व्यक्त की और ब्रिटिश सरकार से कड़े कदम उठाने की मांग की.लेबर पार्टी के सांसद बैरी गार्डिनर ने क्या कहा?लेबर पार्टी के सांसद बैरी गार्डिनर ने बांग्लादेश की स्थिति को गंभीर बताया. उन्होंने इस हिंसा को ब्रिटेन के हिंदू और बांग्लादेशी समुदाय के लिए एक बड़ा खतरा बताया. गार्डिनर ने यह भी बताया कि रिपोर्ट्स के अनुसार पुलिस और सेना ने बांग्लाद. ेश में 20 से ज्यादा हिंदू और सूफी पूजा स्थलों के हमलों के दौरान कोई कार्रवाई नहीं की.हिंदू नेता की गिरफ्तारी के बाद बढ़ा तनावबांग्लादेश में हाल ही में हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी

ने तनाव को और बढ़ा दिया है. गार्डिनर ने चिन्मय दास की गिरफ्तारी और उन्हें जमानत से इनकार किए जाने पर चिंता जताई. वहीं गुरिंदर सिंह जोसन ब्रिटिश सिख सांसद ने भी इस घटनाक्रम को ष्हैरान करने वालाष बताया और ब्रिटिश सरकार से इस मामले में कड़ी प्रतिक्रिया की मांग की.भारत में बढ़ते विरोध प्रदर्शन बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे हमलों के विरोध में 2 दिसंबर को भारतीय शहर अगरतला में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के सहायक उच्चायोग में घुसने का प्रयास किया और तोड़फोड़ की. भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस घटना को दुखद बताया था.

अलीगढ़ बार एसोसिएशन चुनाव मतदान 20 दिसंबर को

अलीगढ (जननायक सम्राट)दि अलीगढ़ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष समेत विभिन्न पदों पर होने वाले चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। चुनाव मैदान में उतरने वाले दावेदारों ने अपना जनसंपर्क भी शुरू कर दिया है। इस क्रम में मंगलवार को चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई। दि अलीगढ़ बार एसोसिएशन महासचिव विनोद कुमार रावत ने बताया कि अध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष समेत विभिन्न पदों के लिए नामांकन की प्रक्रिया 11 दिसंबर से शुरू होगी और 12 दिसंबर तक दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक

दीवानी परिसर कार्यालय में नामांकन कराए जाएंगे। 13 दिसंबर को दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक नामांकन प्रपत्रों की जांच की जाएगी। 16 दिसंबर को सुबह साढ़े 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन प्रपत्र वापस लिए जाएंगे। 17 दि. संबर को शाम चार बजे वैद्य नामांकन प्रपत्रों की सूची प्रका. शित होगी। 20 दिसंबर को सुबह साढ़े आठ बजे से शाम पांच बजे तक कलक्ट्रेट परिसर कार्यालय में मतदान होगा। जबकि अगले दिन 21 दिसंबर को सुबह आठ बजे से समाप्ति तक मतगणना होगी।

हाथरस में बांग्ला देशी प्रमुख का पुतला जलाया हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में धरना–प्रदर्शन, सरकार को बर्खास्त करने की मांग मंदिर श्री दाऊजी महाराज के प्रांगण में आज बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याच. ारों के विरोध में एक विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इसमें बड़ी संख्या में हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ता, संत और स्थानीय लोग शामिल हुए।

पांच सांसदों ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का किया दौरा

पांच सांसदों ने मंगलवार को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का दौरा किया और कुलपति प्रोफेसर नईमा खातून के साथ एएमयू केंद्र मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल को और विकसित करने के तरीकों पर चर्चा की। कुलपति ने सांसदों का स्वागत किया, जिन्होंने क्षेत्र के शैक्षिक विकास में एएमयू की भूमिका बढ़ाने पर बहुमूल्य सुझाव दिए। कुलपति ने उन्हें मुर्शिदाबाद केंद्र की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया और इस संबंध में हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दिया ।उल्लेखनीय है कि एएमयू पश्चिम बंगाल में अपने मुर्शिदाबाद केंद्र में तीन पाठ्यक्रम (बीए एलएलबी, बीएड और एमबीए) चला रहा है। इस केंद्र की स्थापना 2010 में की गई थी। बैठक में डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रोफेसर रफी. उद्दीन, रजिस्ट्रार मोहम्मद इमरान आ. ईपीएस, प्रॉक्टर प्रोफेसर एम वसीम अली, परीक्षा नियंत्रक डॉ मुजीबुल्लाह जुबेरी, एएमयू केंद्रों के समन्वयक प्रोफेसर मो. हम्मद तारिक, मुर्शिदाबाद सेंटर के निदेशक डॉ एम मोहबूबुर रहमान और ओएसडी सहित विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत परिणय सूत्र में बंधे 92 जोड़े

मा0 विधायकगण एवं मा0 जिला पंचायत अध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष ने नवयुगल को दिया आशीर्वाद80 जोड़ों का वैदिक मंत्रोचार से हुआ विवाह तो वहीं 12 का काजी ने कराया निकाह

अलीगढ़ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत खैर बाईपास रोड स्थित विनायक फार्म में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में मा0 विधायक कोल, मा0 विधायक इगलास, मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत, जिलाध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख लोधा एवं प्रशासनिक व जिलास्तरीय अधिकारियों द्वारा नव दंपतियों को आशीर्वाद प्रदान कर उनके सुखमय वैवा. हिक जीवन की कामना की।मा0 विधायक इगलास श्री राजकुमार सहयोगी ने कहा कि प्रदेश में योगी जी के नेतृत्व में सरकार बनते ही गॉव, गरीब, किसान, मजदूरों के हित में कार्य करने का निर्णय लिया गया। ऐसे गरीब परिवार जो अपनी बेटियों की शादी का समारोह भी आयोजित नहीं कर पाते थे उनकी पुत्रियों की शादी सम्मानपूर्वक संपन्न कराने के लिए मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना लागू की गई। उन्होंने बताया कि अब तक प्रदेश में लगभग 3.84 लाख कन्याओं का सामूहिक रूप से समारोह आयोजित कर विवाह कराया गया है और इस वित्तीय वर्ष में इसे 04 लाख से अधिक करने का लक्ष्य निर्धारित है। सामूहिक विवाह योजना के तहत हर तबके, जाति वर्ग एवं धर्म की पुत्रियों को बिना भेदभाव के लाभन्वित किया जा रहा है। सामूहिक विवाह योजना लागू कर मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी जी ने दहेज पृथा पर कड़ा प्रहार किया है।मा0 विधायक कोल श्री अनिल पाराशर ने कहा कि इस समारोह में जिनकी बेटियों की शादी हो रही है उनके लिए यह बड़ा भावुक पल है। बेटियां दो कुलों का गौरव होती है। उन्होंने एक अभिभावक की तरह सभी बेटियों से आव्हन करते हुए कहा कि आज से आप अपने गृहस्थ जीवन में प्रवेश कर रही हो, दोनों परिवारों की जिम्मेदारी आप पर है। आप सभी जिस परिवार में बहू बनकर जाएं वहां की मर्यादा को बनाए रखें। उन्होंने सभी वर पक्ष से आग्रह किया कि आप बहू को अपने परिवार में बेटी के रूप में स्वीकार और अंगीकार करें। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में प्रदेश में केंद्र व प्रदेश सरकार की लाभार्थीपरक एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ बिना किसी बिचौलिए के पूर्ण पारद. र्शिता से पात्र व जरूरतमंदों को मिल रहा है।मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती विजय सिंह ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में बालिक. ाओं एवं महिलाओं की सुरक्षा, स्वाबलम्बन और सम्मान के लिए योजनाएं संचालित करने के साथ ही उन्हें धरातल पर मूर्त रूप दिया जा रहा है। बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओं के संकल्प ने समाज में एक चेतना का कार्य किया और आमजन को बेटियों की भ्रूण हत्या जैसे कुकृत्य से दूर किया। कन्या सुमंगला योजना ने बेटियों की शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव किए और सामूहिक विवाह योजना ने गरीब परिवारों की बेटियों का सम्मानपूर्वक विवाह संपन्न कराने का अवसर प्रदान किया। उन्होंने सभी नव दंपतियों को संकल्प कराया कि वह हमेशा साथ–साथ रहकर सुखमय वैवा. हिक जीवन पूर्ण करेंगे।जिलाध्यक्ष कृ ष्णपाल सिंह ने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत भव्य एवं सफल कार्यक्रम आयोजन के जिला प्रशासन एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।जिला समाज कल्याण अधिकारी रंजना सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सरकार द्वारा 51 हजार रूपये का वहन किया जाता है जिसमें से 35 हजार रूपये कन्या बैंक खाते में, 10 हजार रूपये की उपहार सामग्री और 06 हजार रूपये वैवाहिक व खान–पान व्यवस्था पर खर्च किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि यहां ब्लॉक अकराबाद , लोधा में नगर पंचायत मडराक के 92 जोड़ों का विवाह कराया गया। जिसमें से 80 जोडों का विवाह हिन्दू धर्म के अनुसार वैदिक मंत्रोचार एवं 12 जोड़ों का निकाह काजी अब्दुल अजीम एवं इकरार खान द्वारा मुस्लिम धर्मानुसार संपन्न कराया गया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख लोधा ठा0 हरेन्द्र सिंह समेत एडीएम वित्त मीनू राणा, डीडीओ आलोक आर्य, एडी सूचना संदीप कुमार, बीडीओ आदिल फैज, वेद प्रकाश, नीरज कुमार शर्मा, रूपेश मण्डल एवं अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

भारतीय हलधर किसान के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरेन्द्र सोलंकी एवं प्रथम बार अलीगढ पहुचे

अलीगढ़ भारतीय हलधर किसान के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरेन्द्र सोलंकी एवं प्रथम बार अलीगढ पहुचे प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा गोपाल सिसोदिया का जिलाध्यक्ष अमित भारद्वाज के केम्प कार्यालय पर युवा जिलाध्यक्ष प्रशांत कौशिक व्यपार जिलाध्यक्ष गौरव दुवे के नेतत्व मे कार्यकर्त्ताओ ने जोशीला स्वागत किया प्रदेश अध्यक्ष के द्वारा अलीगढ जिला टीम द्वारा जारी किये गये हेल्पलाइन नम्वर कि सराहना कि और टीम को बधाई दी साथ ही सोनू सविता को प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया जिला कार्यकारणी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष व नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष सोनू सविता का 21 किलो फूल माला पहना कर स्वागत किया उपस्थित पुनीत शर्मा कौशल सेंगर दीपक अग्रवाल मनोज कश्यप भा. जपा नेता आकाश गुप्ता दीपक वर्मा पंकज मिश्रा अजय सक्सेना आदि लोग उपस्थित रहे।

सीडीओ की अध्यक्षता में पल्स पोलियो अभियान की सफलता के लिए बैठक संपन्न

अलीगढ़ जिले में 08 दिसंबर से आरंभ होगा पल्स पोलियो अभियानजिले में 2081 बूथों पर 06 लाख 17 हजार 400 लक्षित बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो ड्राप जिले में पल्प पोलियो अभियान 08 दिसंबर से आरंभ होगा। बुधवार को सीडीओ प्रखर कुमार सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की गई। सीडीओ ने सबंधित अधिकारियों से की जा रही तैयारियों के सबन्ध में बारी बारी से बिंदुवार जानकारी प्राप्त की। सीडीओ प्रखर कुमार सिंह ने निर्देशित किया कि घनी आबादी वाले क्षेत्र में बूथ का आयोजन किया जाए। उन्होंने सुप. रवाइजर्स समेत अन्य उच्चाधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान की कड़ी मॉनिटरिंग की जाए और बूथ दिवस पर 50 प्रतिशत अनिवार्य कवरेज सुनिश्चित किया जाए।सीएमओ डा0 नीरज त्यागी ने बैठक का संचालन करते हुए बताया कि पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष आयु वाले बच्चों को पोलियो रोग

से बचाने के लिए पोलियो ड्राप श्शदो बूंद जिंदगी कीश्श पिलाई जाती है। इसके लिए सरकार के निर्देश पर समय–समय पर अभियान चलाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि भारत देश पोलियो मुक्त है लेकिन पड़ोसी देश नहीं। ऐसे में सरकार द्वारा अब फिर से पल्स पोलियो अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि अभियान 8 दिसंबर से शुरू होगा। जिले में 2081 बूथों पर 06 लाख 17 हजार 400 लक्षित बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाई जाएगी। 16 दिसम्बर को बी टीम ऐक्टिविटी के साथ ही हाउस टू हाउस अभियान भी संचालित किया जाएगा। इसको लेकर आशाओं, आंग. नबाड़ी कार्यकत्रियों, वालंटियर्स, एएनएम को प्रशिक्षित भी किया गया है। पल्स पोलियो कार्यक्रम प्रभारी के मुताबिक अभियान 08 से 13 दिसंबर तक चलेगा। इसके बाद 16 दिसंबर को विशेष अभियान चलाकर छूटे बच्चों को पोलियो ड्रॉप पर पिलाया जाएगा। जिले भर में 2081 बूथों के लिए 1413 सुपरवाइजर्स लगाए गए हैं।

सीडीओ ने बाल स्वास्थ्य पोषण माह के तहत विटामिन ए सम्पूर्ण अभियान का किया शुभारंभ

अलीगढ़ मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार सिंह द्वारा बुधवार को विटामिन श्शएश्श सम्पूर्ण अभियान दिसम्बर 2024 का विधिवत उद्घाटन शहरी पीएचसी बन्ना देवी में 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चो को विटामिन ए की खुराक पिलाकर किया गया। सीडीओ ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा संचालित बाल स्वास्थ्य पोषण माह विटामिन–ए सम्पूर्ण कार्यक्रम टीकाकरण का एक अभिन्न अंग है जो प्रत्येक सप्ताह सोमवार (अतिरिक्त सत्र), बुधवार एवं शनिवार को नियमित टीकाकरण सत्रो मे प्रतिवर्ष माह जून एवं दिसम्बर में आयोजित किया जाता है। बाल स्वास्थ्य पोषण माह का उद्देश्य 09 माह से 05 वर्ष तक आयुवर्ग के बच्चो में रोगो से लडने की क्षमता में वृद्धि, 05 वर्ष तक के बच्चो मे मृत्यु दर मे कमी लाना, रतौंधी एवं कुपोषण से बचाव एवं उपचार, नियमित टीकाकरण के दौरान लक्षित बच्चों के साथ छूटे हुए बच्चे बच्चों का प्रतिरक्षण, आयोडीन युक्त नमक

के प्रयोग से बच्चो में शारीरिक एवं विकृ तियो मे कमी लाना है। सीएमओ डा0 नीरज त्यागी ने बताया कि विटामिन–ए वसा में घुलनशील है, जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाता है और सूक्ष्मपोषक तत्व के रूप में कुपोषण से भी बचाता है। प्रदेश मे 60 प्रतिशत बच्चो में विटामिन ए की कमी होने का खतरा होता है, जोकि बच्चो में बीमारी एवं मृत्युदर की सम्भावनाओं को बढाता है। 09 माह से 05 वर्ष तक के बच्चो को 01 वर्ष में 02 विटामिन ए की निर्धारित खुराक दिये जाने से उनके जीवित रहने की सम्भावनाएं बढ जाती हैं। इस अवसर पर उन्होंने पूरे जनमानस से बच्चों को शासन की नीति के अन्तर्गत नियमित टीकाकरण के तहत प्रत्येक बुधवार एवं शनिवार को आयोजित टीकाकरण सत्रो में विटामिन ए की खुराक पिलाये जाने के लिए अनुरोध किया और अभियान को सफल बनाये जाने हेतु जनपद वासियो से अपील की।

माटीकला बोर्ड द्वारा मण्डल स्तरीय पुरस्कार वितरण कार्यक्रम संपन्न

अलीगढ़ उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा संचालित मण्डल स्तरीय माटीकला पुरस्कार चयन एवं वितरण कार्यक्रम का परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग कार्यालय में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मण्डल के अलीगढ, कासगंज, एटा एवं हाथरस जिलों के माटीकला शि. ल्पियों व परम्परागत कारीगर एवं उद्यमियों द्वारा अपने माटीकला के उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष प्रजापति समाज डा0 देवकी नन्दन गोला प्रजापति एवं प्रतिनिधि पूर्व राज्यमंत्री माटीकला बोर्ड श्रीमती राजकुमारी गोला द्वारा दीप प्रज्वलित कर, फीता काटकर एवं गाँधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।कार्यक्रम में मण्डल के जिला ग्रामोद्योग अधिकारियों के अतिरिक्त चयन समिति से डा0 इन्द्रा अग्रवाल फाइन आर्ट विशेषज्ञ, श्रीमती ममता रा. जपूत डायरेक्टर उडान आर्टिस्ट ग्रुप एवं अरूण कुमार भारती फाइन आर्ट विशेषज्ञ जनपद हाथरस द्वारा उत्कर्ष प्रदर्शन के आधार पर पुरस्कार के लिए लाभार्थियों का चयन किया गया। प्रथम पुरस्कार प्रेमपाल निवासी कासगंज, द्वितीय पुरस्कार देवेन्द्र कुमार निवासी अलीगढ एवं तृतीय पुरस्कार राजेश कुमार निवासी एटा को प्रदान किया गया। पुरस्कार के रूप में कमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय श्रेणी के उद्यमियों को 15 हजार, 12 हजार एवं 10 हजार रूपये के चौक प्रमाणपत्र व अंगवस्त्र प्रदान किये गये।कार्यक्रम का संचालन परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी अलीगढ मण्डल द्वारा किया गया। इस अवसर पर केनरा बैंक आरसेटी के प्राचार्य धर्मेश कुमार, अग्रणी जिला प्रबन्धक केनरा बैंक की अधिकारी श्रीमती अनामिका, अलीगढ के खादी संस्था के मंत्री आरके शर्मा, ताला नगरी इण्ड्रस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष लल्लू प्रसाद के अतिरिक्त जिला ग्रामोद्योग अधिकारी एटा अशोक सिंह, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी कासंगज राकेश सिंह यादव, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी हाथरस के प्रतिनिधि संजीव कुमार, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी श्रीमती संजीदा बेगम एवं परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग कार्यालय एवं जिला ग्रामोद्योग कार्यालय के कार्मिक उपस्थित रहे।

गीता जयंती के दिन क्यों मनाई जाती है मोक्षदा एकादशी

श्रीहरि विष्णु को प्रसन्न करने के लिए एकादशी का दिन सबसे अच्छा माना जाता है. इस दिन लोग व्रत, सत्यनारायण कथा आदि धार्मिक अनुष्ठान करते हैं. कहते हैं जो एकादशी का व्रत करता है उसे यमराज की यातनाएं नहीं सेहनी पड़ती.ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास जी कहते हैं व्यक्ति के जीवन मूल उद्देश्य है मोक्ष पाना, मोक्ष की प्राप्ति के लिए मार्गशीर्ष माह की मोक्षदा एकादशी व्रत अचूक है. इस दिन गीता जयंती भी मनाई जाती है, आइए जानते हैं दोनों पर्व का महत्व और गीता जयंती के दिन मोक्षदा एकादशी व्रत क्यों किया जाता है?गीता जयंती पर मोक्षदा एकादशीमोक्षदा एकादशी मार्गशीर्ष शुक्ल एकादशी को आती है. इस साल मोक्षदा एकादशीइस दिन कहा जाता है मोक्ष प्राप्ति का दिन कहा जाता है.मोक्षदा एकादशी पर ही भगवान श्रीकृष्ण के श्रीमुख से गीता का जन्म हुआ था. भगवान श्रीकृष्ण ने इस दिन अर्जुन को गीता का ज्ञान दिया था, जिसमें सांसारिक मोह से मुक्ति और मोक्ष प्राप्ति का रास्ता बताया था.कहते हैं इस दिन जो व्रत कर गीता का पाठ करता है उसके लिए स्वर्ग के द्वार खुल जाते हैं.जब कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता के उपदेश दिए थे, तब पूरा संसार ज्ञानमय हो गया था.मोक्षदा एकादशी व्रत कथागो. कुल नगर में वैखानस नाम के राजा ने सपना देखा कि उसके पिता नरक में हैं. तब राजा विचलित हुआ. उसने विद्वान–योगी पर्वत मुनि को ये हाल सुनाया कि उसके पिता नरक से मुक्ति दिलाने की बात सपने में कह रहे हैं. मुनि ने बताया कि उनसे पूर्व जन्म में पाप हुआ था जिससे उन्हें नरक में जाना

पड़ा.उन्होंने राजा को मार्गशीर्ष एकादशी के व्रत का संकल्प लेकर व्रत करके उसका पुण्य पिता को देने के लिए कहा. जिससे उनके पिता की मुक्ति होगी. राजा ने परिवार सहित एकादशी का व्रत किया और उसका पुण्य पिता को अर्पण किया. इससे उसके पिता को मुक्ति मिल गई और स्वर्ग जाते हुए पुत्र से बोले तेरा कल्याण हो. यह कहकर स्वर्ग चले गए. इसलिए मान्यता है कि इस व्रत से पूर्वजों को मुक्ति और स्वर्ग मिलता है.

इलेक्ट्रोनिक आइटम जल्दी-जल्दी होते हैं खराब ? हो जाइये सावधान

कभी भी जब कोई नया घर बनाता है तो वास्तु की बातों का बहुत ध्यान रखा जाता है. वैसे ही जब आप घर में नए सामान लाते हैं तो उस दौरान भी वास्तु का बहुत ध्यान रखा जाता है. मौजूदा समय में नवरात्रि चल रही है. नवरात्रि के बाद दिवाली आती है. ऐसे में इस दौरान लोग बहुत सारे नए सामानों की खरीदी करते हैं. अगर आप भी इन त्योहारों में घर के लिए नए सामान खरीद रहे हैं को कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है. दरअसल कुछ घरों में ऐसा देखा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक से जुड़े सामान बहुत जल्दी खराब हो जाते हैं. ऐसे में आपको वास्तु की कुछ बातों का ध्यान रख लेना चाहिए. इसका फायदा देखने को मिल सकता है.इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स होते हैं खराबरू अक्सर देखा गया है कि किसी के घर में बिजली के सामान बार–बार आते रहते हैं. क्योंकि वो जल्दी–जल्दी खराब होते रहते हैं. ऐसा देखने को मिलता है कि इंसान एक सामान लेकर आता नहीं है कि दूसरा कोई सामान खराब हो जाता है. कभी–कभी नया सामान ही ज्यादा समय तक नहीं चल पाता और खराब हो जाता है. ऐसे में इंसान को आर्थिक तकलीफों का भी सामना करना पड़ता है. ऐसे में आपको इसे वास्तु शास्त्र के नजरिए से एक बार देखना चाहिए.कंगाली ला देता है खराब राहु रू वास्तु की मानें तो अगर किसी के घर में बार–बार इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स खराब हो रहे होते हैं तो ऐसे में इसे वास्तु दोष माना जाता है. वास्तु की मानें तो इसका सीधा संबंध राहू के साख हो सकता है. अगर बार–बार ऐसा हो रहा है तो मतलब ये है कि आपकी कुंडली में राहु दोष हो सकता है. राहु की बुरी दशा होने पर ही ऐसा होता है. राहु की बुरी दशा आर्थिक तंगी लाती है और किसी ना किसी बहाने से इंसान के घर से पैसा निकलता ही रहता है और इंसान को धन संचित करने में समस्याओं का सामना करना पड़ जाता है. राहु का नकारात्मक प्रभाव ही बिजली के उपकरणों के बार–बार खराब होने की वजह बनता है राहु शांति के उपाय रू वास्तु के मुताबिक, घर में बार–बार इलेक्ट्रॉनिक सामान खराब होना राहु की बुरी दशा का संकेत हो सकता है. राहु के नकारात्मक प्रभाव से घर में कलह हो सकती है और मां लक्ष्मी नाराज हो सकती हैं. राहु दोष को कम करने के लिए ये उपाय किए जा सकते हैंरू

ख्वाजा गरीब नवाज के 813वें उर्स की तैयारियां शुरू, 28 को चढ़ेगा झंडा

अजमेर. राजस्थान के अजमेर में स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 813वें उर्स की तैयारी शुरू हो गई है. दरगाह कमेटी ने उर्स मेले का कार्यक्रम जारी कर दिया है. दरगाह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहम्मद नदीम ने जानकारी देते हुए बताया कि 25 जमादिस्सानी यानी 28 दिसंबर को 4रू45 बजे दरगाह गेस्ट हाउस से झंडे का जुलूस निकाला जाएगा और परंपरानुसार बुलंद दरवाजे पर चढ़ाया जाएगा. इस झंडे के साथ उर्स मेले की अनौपचारिक शुरुआत हो जाएगी .29 जमादिस्सानी यानी 31 दिसंबर और 1 जनवरी को सुबह 4रू30 बजे जन्नती दरवाजा खोला जाएगा. रजब का चांद देखने के लिए हिलाल कमेटी की बैठक शाम 6रू 30 बजे होगी. चांद दिखाई देने पर 1 और 2 जनवरी को पहली महफिल की शब रात्रि 11 से 4 बजे तक व ख्वाजा साहब की मजार पर गुस्ल की रस्म अदा होगी.24 घंटे रहेगी पुलिस की निगरानी मेले के दौरान जगह–जगह सुरक्षा व सतर्कता के लिए अतिरिक्त पुलिस जाप्ता तैनात रहेगा. बता दें कि उर्स मेले में देश–विदेश से बड़ी संख्या में जायरीन अजमेर दरगाह आते हैं. मेले के दौरान एमपी, यूपी, बंगाल, बिहार सहित अन्य प्रदेशों की जेबतराश गैंग और मोबाइल चोर गिरोह को पकड़ने के लिए पुलिस इस बार फेस मैचिंग एप का इस्तेमाल करेगी, इसके साथ ही पिछली बार की तरह इस बार भी मेला क्षेत्र में पुलिस के वॉच टावर लगेंगे जिससे 24 घंटे मेला क्षेत्र में निगरानी रखी जाएगी. बिना आईडी के कमरा देने पर होटल–गेस्ट हाउस संचालकों पर कार्रवाई की जाएगी. मेला क्षेत्र में रहने वाले लोग भी मेला क्षेत्र में चार पहिया वह तीन पहिया वाहन में आ जा नहीं सकेंगे. सिर्फ दो पहिया वाहन की अनुमति होगी, वो भी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के लिए दी जाएगी.

मंदिर के टाइल्स को धोकर पानी पीने से घर के कलेश होते हैं दूर! महिलाओं को संतान की होती है प्राप्ति

बीकानेर. बीकानेर में कई ऐसे मंदिर हैं जो काफी पुराने और काफी चमत्कारिक भी है. ऐसा ही एक राज रतन बिहारी जी का मंदिर है जो करीब 179 साल पुराना है. इस मंदिर परिसर में एक ऐसी अनोखी टाइल्स है दर्शन करने के बाद इस टाइल्स के पानी को धोकर पीने से कई समस्याओं का निवारण होता है.मंदिर की व्यवस्था से जुड़े रामकुमार पुरोहित मुरारी जी ने बताया कि बीकानेर राजघराने के पंचम पीठाधीश्वर श्री श्री देवकीनंद आचार्य जी महाराज ने यज्ञ किया था. इसके बाद ठाकुर जी अंदर विराजमान हुए. पूरे भारत में सिर्फ इसी मंदिर में यह अनोखा टाइल्स है. इस टाइल्स पर ठाकुर जी के दो चरण छपे हुए हैं. इसमें एक चरण तो दिखाई पड़ता है तो दूसरा चरण ढूंढना पड़ता है. इस टाइल्स पर पानी रखकर पानी ग्रहण कर सकते हैं. इससे कई संकट दूर होते हैं.महिलाओं के पानी पीने से होता है बच्चायह 185 साल पुराने टाइल्स हैं. इसको यहां लोग चरण चौकी बोलते हैं. वे बताते हैं कि यहां चरण चौकी को पानी से धोकर फिर उस पानी को ग्रहण करते हैं तो कई समस्या दूर होती हैं. इस पानी को पीने से महिलाओं को बच्चा होता है और घर में किसी तरह का क्लेश हो तो वो भी दूर हो जाएगा. पुरोहित मुरारी जी बताते हैं कि अब तक मैंने देखा है कि 1200 लोग यहां टाइल्स को धोकर पानी लेकर गए हैं. जिससे

उनकी मनोकामना भी पूरी हुई है. यहां लोग अपने घर से पानी की बोतल लेकर आते हैं और चौकी पर स्नान करवाकर वापिस पानी लेकर जाते है.कैसा हुआ था इस मंदिर का निर्माणइस मंदिर का निर्माण राजा रतन सिंह ने अपनी पत्नी के लिए करवाया था. इस मंदिर को रानियों की हवेली कहा जाता है. पहले यहां मंदिर में सिर्फ रानियां ही दर्शन करने के लिए आती थी. रतन सिंह ने पंचम पीठाधीश्वर श्री श्री देवकीनंद आचार्य जी महाराज को मंदिर सौंप दिया था, उसके बाद उनके वंशज यह परंपरा चला रहे है. अब जगतगुरु पंचम पीठाधीश्वर श्री श्री वल्लभाचार्य जी महाराज के छोटे लालजी विट्ठलनाथ गोस्वामी मंदिर की देखरेख कर रहे है. यह मंदिर ट्रस्ट गोकुल चंद्रमा कामवन की हवेली नाम से संचालित है. इस मंदिर में भगवान कृष्ण और राधा की सखी की प्रतिमा है. जो काले संगमरमर से बनी हुई है. भगवान कृष्ण के साथ एक तरफ तो ललिता जी और दूसरी तरफ विशाखा जी है. यह वे सखियां हैं जो राधा जी की आठ सहेलियों में से हो हमेशा इनके साथ रहती थी. पुरोहित ने बताया कि राजा रतन सिंह ने अपनी पत्नी के लिए ठाकुर जी का मंदिर बनवाया था. राजा रतन सिंह की पत्नी बीकानेर से गिरिराज जी दर्शन करने के लिए जाती थी. फिर राजा रतन सिंह ने अपनी पत्नी के लिए ठाकुर जी का मंदिर यहां बनवा दिया.

शाम हो गई दहलीज पर मत बैठो, क्यों कहती है दादी-नानी

जीवन में भागदौड़ तो लगी ही रहती है, लेकिन फुर्सत निकालकर दादी–नानी के पास जरूर बैठा करें. क्योंकि बुजुर्गों ने अपने जीवन में कई–उतार चढ़ाव देखें हैं और अनुभव का ज्ञान प्राप्त किया है. इसलिए कहा जाता है कि बुजुर्गों के पास ज्ञान का अथाह भंडार होता है. दादी–नानी की कहानियां और दादी–नानी के घरेलू नुस्खे के बारे में तो सभी लोग जानते हैं. लेकिन दादी–नानी के पास ज्ञान से जुड़ी भी कई बाते होती हैं, जो हम सुनते तो हमेशा ही हैं लेकिन उसपर शायद ही कभी गौर करते हैं. दादी–नानी की रोक–टोक भले ही कुछ समय के लिए आपको अटपटी लगे, लेकिन इसके पीछे धार्मिक महत्व जुड़े होते हैं, जिसका असर घर की सुख–समृद्धि पर पड़ता है. आपने देखा होगा कि कई बार शाम होने के बाद जब आप दहलीज पर खड़े या बैठे होंगे तो दादी–नानी ने टोकर आपसे कहा होगा कि शाम होने के बाद दहलीज पर नहीं बैठना चाहिए. आइये धार्मिक दृष्टिकोण से जानते हैं कि आखिर दादी–नानी ऐसा क्यों कहती हैं,र्यास्त के बाद दहलीज पर क्यों नहीं बैठना चाहिए

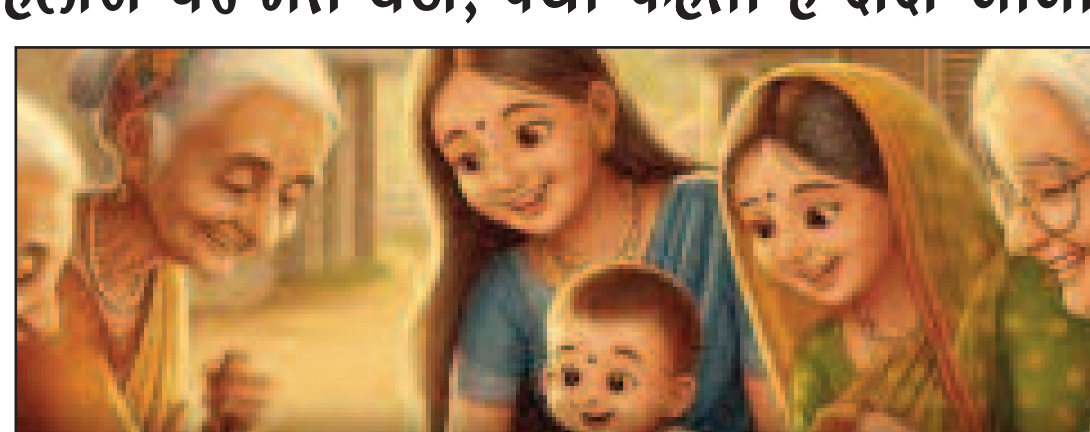

हंदू धर्म शास्त्र के अनुसार घर के मुख्य द्वार का संबंध मां लक्ष्मी (डंरू॰उप) से होता है. मान्यता है कि शाम के समय मां लक्ष्मी का आगमन घर पर होता है. ऐसे में यदि दहलीज पर कोई व्यक्ति खड़ा होगा या बैठा रहेगा तो लक्ष्मी जी दहलीज से वापिस लौट जाएंगी. यही कारण है कि संध्या के समय दादी–नानी दहलीज पर बैठने से मना करती हैं. इसलिए इस बात का खास ध्यान रखें कि संध्या के समय चौखट पर न बैठें और ना ही यहां जूते चप्पल रखें. ऐसा करने से घर पर दरिद्रता आती है. शाम के समय घर के मुख्य द्वार पर दीप जलाएं और संभव हो तो शाम के

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें -
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मो:-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक-अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा